तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि
बिलासपुर, सोमवार 23 मार्च 2026

4 घरघोड़ा तमनार में चला वृहद अभियान ड्रोन से अवैध मादक खेती पर कड़ी नजर

खबर संक्षेप

लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। ट्रेलर चालक से लूटपाट करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रार्थी मिथुन कुमार यादव 25 निवासी ग्राम काटेबंध, जिला गया बिहार जो ट्रेलर वाहन चालक है ने 21 मार्च को खरसिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27 फरवरी को वह अपने ट्रेलर वाहन से अडानी माइंस तमनार से रॉबर्टसन की ओर कोयला लेकर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे रॉबर्टसन से 2 किमी पहले एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से उसका रास्ता रोककर ट्रेलर से नीचे खींच लिया और डरा धमकाकर उसके पास रखे 10 हजार लूट लिया। आरोपी उसे अपने साथ रोड किनारे बाड़ी में रातभर बंधक बनाकर रखा। सुबह आरोपी उसे चपले ले गया और एक कियोस्क शाखा से 35 हजार निकालने के लिए धमकाया। डर के कारण पीड़ित ने 32 हजार निकालकर आरोपी को दे दिया। आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने आरोपी के गांव बड़े डूमरपाली में दबिश दी और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ किया। उसने अपराध स्वीकार किया। आरोपी सोमनाथ डनसेना अपराधिक किस्म का आदतन बदमाश है जिसके खिलाफ थाना खरसिया में कई मामले दर्ज हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

अंगूठा छाप बुजुर्गों को बना दिया शिक्षित, आज अंग्रेजी में करते हैं साइन

जेल में जगाई शिक्षा की अलख, निरुद्ध ने लिखी छत्तीसगढ़ी में कविता, माखुर और हाय रे दारु-गांजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्वतंत्र महंत

जेल की चार दीवारी किसी काल कोठरी से कम नहीं है, लेकिन यहां भी ऐसे लोग आते-जाते हैं जो इस अंधेरे में भी उजाले तलाश लेते हैं। ऐसे ही एक शख्स की कहानी हम बता रहे हैं जो जिला जेल में बंद तो है हत्या जैसे संगीन अपराध में, लेकिन इस अंधेरी साये के बीच कितनों का जीवन उजाले से भर दिया। इतना ही नहीं इस जेल में वह अपनी दिनचर्या के बीच छत्तीसगढ़ी में करीब 75 कविताएं भी लिख डाली है जो आम जीवन को प्रभावित करती है। इसमें सबसे सुंदर कविता है माखुर और हाय रे दारु-गांजा जैसी कविताएं वर्तमान परिवेश को इंगित करते हुए लिखी गई है। इस रचनात्मक कैदी का नाम है खेमराज यादव, निवासी है धरमजयगढ़ तहसील का रामपुर गांव का। खेमराज हत्या के जुर्म में बंद है। जेल में रहते हुए खेमराज ने ऐसे दर्जनों बुजुर्गों को साक्षर बना दिया है जो जेल में आए तो थे अंगुठा छाप, लेकिन अब फर्राटेदार अंग्रेजी में साइन करते हैं। खेमराज जेल में बतौर स्वयं सेवी शिक्षक काम करता है और वह गांव में भी इसी तरह बच्चों को पढ़ाया करता था। वह काफी पढ़ा लिखा है और बाहर रहकर पढ़ाई किया है। उसका शौक और जुनून है कविता लिखना। जेल में वह करीब 6 साल से बंद है, लेकिन इस बीच वह बंदियों को पढ़ाने का काम करता है। रविवार को नवभारत उल्लास साक्षरता परीक्षा में जेल के करीब 66 कैदियों ने परीक्षा दिया है जो खेमराज का ही देन है। इसमें 54 पुरुष बंदी और 12 महिला कैदी हैं। उनको पढ़ाकर साक्षर बना दिया है। उल्लास परीक्षा पास करने वालों को एनआईओएस की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

खास बात

- जेल के बाहर और जेल के भीतर भी बतौर स्वंय सेवी शिक्षक करता रहा काम
- धरमजयगढ़ ब्लॉक के रामपुर गांव का रहने वाला खेमराज है हत्या का आरोपी

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

जेल में उल्लास परीक्षा देते बंदी।

आज ही भेजी गई है डायरी

खेमराज यादव जेल में रहते हुए करीब 75 कविताएं लिखी है। यह कविताएं हिंदी नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ी में है। खेमराज वर्तमान परिवेश में घटित घटनाओं पर कविता लिखता है। जैसे दिसंबर के बाद जब 2026 जनवरी का आगमन हुआ तो वह कविता लिखा नवा बछर। इसी तरह आमतौर पर तो बातचीत में किसी अपनों को कहा जाता है एक बात कहूं क्या, तो उसने लिखा एक बात कहव का। अभी चल रहे ईरान-ईराक को लेकर लिखा है युद्ध, इसके पहले माखुर और हाय रे दारु गांजा सबसे प्रसिद्ध कविता है। जिस डायरी में वह कविता लिखता है उसे आज ही उसके गांव भेजी गई है। कारण अब उसे बिलासपु भेजा जाएगा।

व्यवहार कुशल है खेमराज

अमूमन बंदी कहने से लोगों के मन में बदमाशों जैसी ही छवि सामने आती है, लेकिन खेमराज इसके विपरित है। मिली जानकारी के अनुसार वह काफी व्यवहार कुशल है और सभी से अपनों जैसा ही व्यवहार करता है। जेल में हर बंदी उसके व्यवहार से प्रभावित रहता है। वह गांव में खेती किसानी का काम करता था और स्वंय सेवी शिक्षक भी था।

दो टीमें कर रही हैं अफीम की खेती के फरार आरोपियों की तलाश

तमनार। पुलिस की दो टीम चर्चित अफीम खेती के फरार दो आरोपियों की तलाश कर रही है। उनके संभावित ठिकानों पर जहां दबिश दी जा रही है। वहीं हर नेटवर्क पर नजर है और बहुत जल्द ही पुलिस के रडार में आ सकते हैं। हालांकि पुलिस अभी एहतियातन किसी भी नेटवर्क का खुलासा नहीं कर रही है, लेकिन जो जानकारी हमें मिली है उसके मुताबिक आरोपियों का कुछ सुराग पुलिस को मिली है।

तमनार के आमाघाट में अफीम की खेती का जो मामला सामने आया है वह गांव को

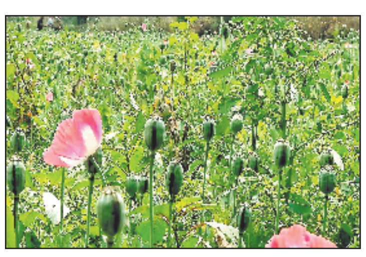

एक अलग ही नेटवर्क से जोड़ दिया है। यह गांव आदिवासी बाहुल्य है और ऐसे किसी नशीले पदार्थ के बारे में जानकारी तो क्या सुने तक नहीं थे। अफीम की खेती करने वाले दोनों आरोपी झारखंड के रहने वाले हैं और उसका मास्टर माइंड गांव का दामाद है। जानकारी के अनुसार दामाद मार्शल सांगा ने ही उनके रिश्तेदारों को इस नेटवर्क से जोड़ा था और यहां इस खेती के लिए माकूल माहौल बनाया था। चार महीने पहले मार्शल के दोनों रिश्तेदार आमाघाट आए थे और इस खेती की तैयारी की थी। इस बीच किसी का अंदेशा न हो इसके लिए वह खुद गांव से गायब हो गया था। हालांकि यह भी सच्चाई है कि वह काफी लंबे समय बाद ही गांव आता था। अभी उसकी पत्नी सुषमा खलखो की डिलीवरी के लिए आया था।

संयोग या प्रयोग- बैज

रविवार को पीसीसी चीफ दीपक बैज रायगढ़ दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा भाजपा सरकार के संरक्षण में अफीम की खेती की जा रही है। ये संयोग है या प्रयोग सरकार स्पष्ट बताए। दुर्ग में शिक्षा मंत्री का गृह जिला, बलरामपुर रामविचार नेताम का गृह जिला और अब रायगढ़ जो कि वित्त मंत्री का गृह जिला है। लगातार मंत्रियों के गृह जिले में अफीम की खेती पकड़ा रही। सरकार स्पष्ट करे कि यह संयोग है या प्रयोग।

मारपीट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

रायगढ़। घर में घुसकर मारपीट करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है। दूसरे की तलाश जारी हे। आहत शाहरुख वारसी 30 जगतपुर रामभांठा आवास कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 19-20 मार्च की रात लगभग 12 बजे घर का दरवाजा जोर जोर से पीटने की आवाज आई। उसकी मां बाहर देखने गई तो वहां साहिल एक्का और विक्की उर्फ मनीष जाटवर खड़े थे। दरवाजा खुलने के बाद दोनों गाली-गलौच करने लगे। शोर सुनकर जब शाहरूख वारसी बाहर आया और उन्हें समझाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने धारदार हथियार से मारपीट शुरू कर दी। जिससे शाहरूख वारसी को चोटें आईं, पड़ोसी पहुंच गए तो दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। कोतवाली पुलिस ने धारा 296, 351(3) 115(2) 118(1) 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपियों की सघन पतासाजी की गई।

खबर संक्षेप

26 को धूमधाम से मनाई जाएगी रामनवमीं

पत्थलगांव। प्रति वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी नगर में रामनवमीं धूमधाम से मनाई जाएगी। इस मौके पर भव्य शोभायात्रा निकालने शहर में तैयारी जारी है। केसरिया रंग के झंडे से शहर को सजाया जा रहा है। भगवान राम की झांकी पत्थलगांव में देखने लायक होती है जिसे देखने दूर दूर से लोग आते हैं। श्री सत्यनारायण मंदिर को अच्छी तरह सजाया जा रहा है। जगमग करती लाइट मुख्य आकर्षण के साथ झांकी में अजगर सांप अघोरी राधाकृष्ण जी की झांकी लाइभ रंगोली का प्रदर्शन एवं अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे। रामनवमीं शोभायात्रा श्री सत्यनारायण मंदिर से शाम 4 बजे निकाली जाएगी। शहर के तीनों मार्गो से होते हुए सत्यनारायण मन्दिर पहुचेंगी जहां 8 बजे महाआरती की जाएगी फिर महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। श्री रामनवमी समिति के सदस्यों ने सभी शहर वासियों को एवं गांवों के भक्तों को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर कार्यक्रम को और भव्य रूप देने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश विद्यालयीन शिक्षक संघ की बैठक

जशपुर। जिले में छत्तीसगढ़ प्रदेश विद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित बैठक में शिक्षकों की समस्याओं को लेकर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय से जुड़े शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित विभिन्न ब्लॉकों के शिक्षकों ने अपनी समस्याएं संघ के समक्ष रखीं और समाधान की मांग की। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार ने की। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष देवकी प्रधान एवं जिला सचिव विजय कुमार पैंकरा की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पहाड़ी कोरवा समुदाय से जुड़े संध्या पहाड़िया, विजय कुमार,सोहनलाल राम, गुप्तेश्वर राम, सरिता बाई,दिनेश्वरी हंसदा सहित अन्य साथियों का उल्लेखनीय सहयोग रहा। बैठक में प्रमुख रूप से यह मांग सामने आई कि विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षकों को विभागीय डीएड कराना सरकार की जिम्मेदारी तय की जाए। शिक्षकों ने बताया कि वर्तमान में प्रशिक्षण संचालित हो रहा है, लेकिन उसमें चयन सीनियरिटी (वरिष्ठता) के आधार पर होने के कारण सभी शिक्षकों को अवसर नहीं मिल पा रहा है। जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि संघ इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर तक मजबूती से उठाएगा। संघ ने निर्णय लिया है कि 26 मार्च को प्रदेश नेतृत्व, प्रांत अध्यक्ष धरमदास बंजारे के सहयोग से डीपीआई एवं शिक्षा विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि शिक्षकों की इस समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

नाबालिग को भगाकर किया अनाचार, आरोपी गिरफ्तार

जशपुरनगर। शादी का सपना दिखाकर एक नाबालिग छात्रा को अपने जाल में फंसाने और फिर उसके साथ दरिंदगी करने वाले आरोपी को आखिरकार जशपुर पुलिस ने बेनकाब कर दिया। ओडिशा से नाबालिग को सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना चौकी कोल्हेंझरिया क्षेत्र की है। 24 फरवरी की सुबह 16 वर्षीय छात्रा घर से यह कहकर निकली थी कि वह 10वीं की परीक्षा देने स्कूल जा रही है। लेकिन जब वह स्कूल नहीं पहुंची, तो शिक्षक के फोन ने परिजनों की चिंता बढ़ा दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए 25 फरवरी को चौकी कोल्हेंझरिया में रिपोर्ट दर्ज कर तत्काल गुम इंसान और अपहरण का मामला कायम किया गया। लगातार पतासाजी के बाद ओडिशा के एक गांव में आरोपी इष्टा राणा उम्र 22 वर्ष के साथ नाबालिग को बरामद कर लिया गया। आरोपी को मौके से ही हिरासत में लेकर जशपुर लाया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना पत्थलगांव में बीएनएस की धारा 137(2), 64(2)(एम), 65(1) पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत गंभीर अपराध दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

युवाओं को मिलेगी कंप्यूटर डीटीपी की ट्रेनिंग

सारंगढ़। जिला कौशल विकास प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ के

जंगल, वन्यजीव पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

महुआ के लालच में जल रहा बादलखोल अभयारण्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

बादलखोल अभयारण्य के घने और समृद्ध जंगल इन दिनों आग की चपेट में आते जा रहे हैं। मार्च महीने के शुरुआत से ही अभयारण्य क्षेत्र के नारायणपुर, साहीडांड़, सरबकोम्बो, वेन्द और बच्छरांव सर्किल के लगभग सभी बीट क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। हर दिन किसी न किसी हिस्से से धुआं उठता दिखाई दे रहा है, जिससे यह साफ हो गया है कि जंगल की सुरक्षा में हर तरह की लापरवाई बरती जा रही है।

■ गश्त नदारद, अवैध कटाई जारी, और आग से बर्बाद हो रही प्राकृतिक संपदा

ग्रामीणों द्वारा महुआ फूल, पुटु, तेंदूपत्ता और अन्य वनोपज संग्रह करने के लिए जंगलों में जानबूझकर आग लगाई जा रही है। कई मामलों में शिकार के उद्देश्य से भी आग लगाने की बात सामने आती है। छोटी-सी लापरवाही धीरे-धीरे विकराल रूप ले रही है और हजारों हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हो चुका है। नारायणपुर सर्किल के बरडांड़-नारायणपुर बीट के कक्ष क्रमांक 58 स्थित कारीडाँड़ जंगल में रविवार दोपहर लगभग 12 बजे अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दी गई। यह वही इलाका है जहां पहले भी आग लग चुकी है और जंगल का बड़ा हिस्सा जल चुका है। हैरानी की बात यह है कि पहले से प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद यहां कोई विशेष निगरानी नहीं रखी गई। परिणामस्वरूप एक बार फिर आग भड़क उठी और देखते ही देखते जंगल के दूसरे हिस्से को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस संबंध में एलिफेंट रिजर्व के उप निदेशक ने कहा कि मुझे आपके द्वारा जंगल जलने की जानकारी मिल रही है। मैं तत्काल नारायणपुर रेन्जर और स्टाफ को आग बुझाने मौके पर भेजता हूं।

फायर वाचर उपलब्ध नहीं

सबसे गंभीर पहलू यह सामने आ रहा है कि वन विभाग के कर्मचारी और फायर वाचर समय पर मौके पर मौजूद नहीं रहते। जिस समय उन्हें जंगलों में निगरानी करनी चाहिए, उस समय वे नदारद पाए जाते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारी अपने घरों में आराम करते हैं और जब आग फैल जाती है तब मौके पर पहुंचते हैं। रविवार को भी आग दोपहर 12 बजे लगी, लेकिन विभाग को इसकी जानकारी करीब 3 बजे मिली। यानी तीन घंटे तक जंगल जलता रहा और जिम्मेदारों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

ग्रामीणों एवं विभाग में तालमेल नहीं

इस देरी के पीछे विभाग और ग्रामीणों के बीच तालमेल की कमी एक बड़ी वजह मानी जा रही है। ग्रामीण समय पर सूचना नहीं देते या उनकी सूचना विभाग तक समय पर नहीं पहुंचती, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। अगर समय रहते सूचना और कार्रवाई हो, तो आग को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सकता है, लेकिन यहां हर बार देर हो जाती है।

वन्यजीव भी खतरे में

जंगलों में लग रही आग का सबसे ज्यादा नुकसान छोटे-छोटे पौधों और नई वनस्पतियों को हो रहा है, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो जा रहे हैं। इसके साथ ही वन्यजीवों के सामने भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है। आग के कारण उनका प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है और वे इधर-उधर भटकने को मजबूर हो रहे हैं। कई छोटे जीव-जंतु तो आग में जलकर मर भी जाते हैं, जिसकी कोई गणना तक नहीं हो पाती।

हर साल विभाग के दावे फेल

वन विभाग हर साल दावा करता है कि जंगलों में आग पर नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी की गई है। फायर वाचरों की नियुक्ति, मोबाइल वाहन और उपकरण उपलब्ध कराने की बात कही जाती है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। अभयारण्य के मुख्यालय के आसपास ही जंगल जल रहे हैं और विभाग को इसकी समय पर जानकारी तक नहीं मिल रही।नारायणपुर मुख्यालय के देवटोंगरी और कारीडाँड़ जैसे नजदीकी क्षेत्रों में भी रविवार को आग लगी रही, लेकिन स्थानीय अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी। जब उच्च अधिकारियों द्वारा सूचना दी गई तब जाकर कर्मचारी हरकत में आए। इससे यह साफ जाहिर होता है कि निगरानी व्यवस्था पूरी तरह कमजोर पड़ चुकी है।

---

610 लोगों के पांव धोकर कराई गई घर वापसी

जशपुरनगर। हिन्दू नववर्ष और चैत्र नवरात्र प्रतिपदा पर सक्ती स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में रविवार को एक बड़ा धार्मिक और सामाजिक आयोजन हुआ। धर्म जागरण समन्वय के तत्वावधान में आयोजित "घर वापसी अभियान" के तहत 610 धर्मांतरित लोगों की विधि-विधान से सनातन धर्म में वापसी कराई गई।

कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण, पूजन और पारंपरिक विधियों के साथ सभी परिवारों का शुद्धिकरण एवं पुनर्संस्कार किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं और संतों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही, जिससे माहौल पूरी तरह धार्मिक आस्था से सराबोर रहा। घर वापसी कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के राष्ट्रीय प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने स्वयं लौटे हुए परिवारों के चरण पखारकर उनका स्वागत किया। इस सम्मानजनक परंपरा ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। वर्षों बाद अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ने वाले परिवारों की आंखों में खुशी और भावुकता साफ झलक रही थी। कई लोगों ने इसे "अपनी पहचान वापस मिलने का दिन" बताया। जूदेव परिवार की पहल से आगे बढ़ रहा अभियान- इस अभियान की प्रेरणा पूज्य पिताश्री कुमार दिलीप सिंह जूदेव द्वारा शुरू किए गए घर वापसी आंदोलन से मिली है। उनके प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए यह अभियान अब व्यापक रूप ले चुका है और लगातार अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में पूजनीय प्रेमा साईं महाराज जी का विशेष मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिला, जिनकी प्रेरणा से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

■ सनातन से फिर जुड़े सैकड़ों परिवार, वैदिक मंत्रों के बीच हुआ पुनर्संस्कार

सांस्कृतिक जागरण का दिया संदेश

आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे सनातन धर्म की समावेशी भावना, एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में देखा गया। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाएंगे।वक्ताओं ने कहा कि "घर वापसी" केवल धर्म परिवर्तन नहीं, बल्कि अपनी मूल पहचान, परंपरा और संस्कारों से पुनः जुड़ने का माध्यम है।

इनका रहा विशेष योगदान

कार्यक्रम की सफलता में संतों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें प्रमुख रूप से सुधीर गौतम, राजकुमार चंद्रा, अंजू गबेल, अवतार अग्रवाल, टिकेश्वर गबेल, अन्नपूर्णा राठौर, राजेंद्र राठौड़, आयुष शर्मा, महेश साहू, रूपेंद्र गबेल, संतोषी सिंह, कुंती जांगड़े, पूजा राठौर और विजय जायसवाल सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अनियंत्रित होकर अंडील सरना चौक पर प्रतीक्षालय में घुसा ट्रक

जशपुरनगर। नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलासपुर के पास अंडील सरना शिव मंदिर चौक में एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सड़क किनारे बना यात्री प्रतीक्षालय पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भानुप्रतापपुर से तेंदूपत्ता लोड कर पश्चिम बंगाल की ओर जा रहा ट्रक क्रमांक सीजी 07 एवाई 8010 स्टेट हाईवे पर तेज गति से चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक रास्ते भर लहराते हुए चल रहा था। अंडील सरना चौक के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सीधे यात्री प्रतीक्षालय से टकराकर पलट गया। हादसे के दौरान प्रतीक्षालय के पास खड़ी तीन मोटरसाइकिल और दो साइकिल मलबे में दबकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इनमें देवनंदन राम, प्रेम लाल राम और देवफुल राम की मोटरसाइकिल शामिल बताई जा रही हैं।स्थानीय लोगों के मुताबिक यदि घटना के समय प्रतीक्षालय में यात्री मौजूद रहते तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद मौके पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। जैसे ही पुलिस को घटना की जानकारी मिली,मौके पर पुलिस पहुंच आगें की करवाई करने में जुट गई है।

सरगुजा ओलंपिक खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच

अम्बिकापुर। पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय संभाग स्तरीय खेल महोत्सव सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच है। इस खेल महाकुंभ में सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों से आए 2 हजार 190 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 1 हजार 44 महिला और 1 हजार 146 पुरूष खिलाड़ी शामिल हैं।

विश्व वानिकी दिवस पर वन और अर्थव्यवस्थाएं विषय पर कार्यक्रम, रैली निकाल किया जागरूक

जशपुरनगर। वनमण्डल के अंतर्गत पर्यावरण रोपणी बालाछापर में 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस पर विभिन्न परिक्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष का विषय था श्वन और अर्थव्यवस्थाएं जिसके माध्यम से विद्यार्थियों, वन अमला और स्थानीय नागरिकों को वन संरक्षण, वनाग्नि ग्राम और पौधों के प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया गया।

जशपुर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी इचकेला के विघार्थियों को वन की महत्ता, वनाग्नि रोकथाम के उपाय, नर्सरी में उपलब्ध पौधों की देख-रेख और उनका न पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया और वन संरक्षण के व को समझा। कार्यक्रम में उपवनमण्डलाधिकारी जशपुर, करण सिंह, स.व.सं., वन परिक्षेत्राधिकारी जशपुर, भगत, वनक्षेत्रपाल, वन अमला और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को वन संरक्षण नति जागरूक किया और उनके उत्साह को बढ़ावा दिया। साथ ही, वन परिक्षेत्र सन्ना में भी विश्व वानिकी दिवस के उपलक्ष्य में वन संरक्षण हेतु रैली आयोजित गई। इस रैली में स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया और जन-जन तक वनों के संरक्षण एवं विरण सुरक्षा का संदेश पहुंचाया। उपवनमण्डल पत्थलगांव अंतर्गत बगीचा परिक्षेत्र में वन परिक्षेत्राधिकारी बगीचा, यशस्वी मौर्य,की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बरगद और पल जैसे धार्मिक एवं पर्यावरणीय महत्व के पौधों का रोपण किया गया, जिससे स्थानीय पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता में योगदान मिलेगा। जशपुर वनमण्डल ने इस अवसर पर यह संदेश दिया कि वन केवल पर्यावरण का संरक्षण नहीं करते, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और जीवन में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। नागरिकों से अपील की गई कि वे वन संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और पर्यावरण सुरक्षा के लिए सतत प्रयास करें।

डिलिस्टंग अभियान को सफल बनाने का संकल्प दोहराया

पत्थलगांव। जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक पूर्व मंत्री गणेश राम भगत की अगुवाई में छत्तीसगढ़ सहित अनेक राज्यों में डिलिस्टिंग की मांग को लेकर शुरू किया गया आंदोलन काफी तूल पकड़ चुका है। 24 मई को दिल्ली में प्रस्तावित बड़ी महारैली को सफल बनाने के लिए गांव गांव में आयोजित बैठकों में तेज तर्रार आदिवासी नेता गणेश राम भगत की मौजूदगी के बाद लोगों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनजातीय सुरक्षा मंच की महत्वपूर्ण डिलिस्टिंग की मांग के समर्थन में आज छत्तीसगढ़ के युवा नेता एवं ग्राम पंचायत चंदागढ़ के सरपंच रोशन प्रताप सिंह ने आज गांव में महत्वपूर्ण बैठक क आयोजन किया था।

बिजली बिल भुगतान समाधान शिविर

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आम उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से "मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026" के तहत प्रदेशभर में विशेष समाधान शिविर (कैंप) आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर 30 जून तक लगातार लगाए जाएंगे, जहां बकाया बिजली बिल जमा करने पर उपभोक्ताओं को भारी छूट का लाभ मिल रहा है।

इस योजना के अंतर्गत बीपीएल, घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मूल बकाया राशि में 75 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। वहीं, वर्षों से लंबित बिलों पर लगने वाले अधिभार (सरचार्ज) को 100 प्रतिशत तक माफ कर दिया गया है। इससे हजारों उपभोक्ताओं को पुराने कर्ज के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है।बिजली विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये कैंप साप्ताहिक बाजारों, पंचायत भवनों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। शिविरों में मौके पर ही बिलों की गणना, छूट का निर्धारण और भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में आज नारायणपुर विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत ग्राम साहीडाँड़ में शनिवार को साप्ताहिक बाजार के अवसर पर लगाए गए विशेष बिजली बिल भुगतान समाधान शिविर में पहले ही दिन ग्रामीणों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

लगी लोगों की लंबी कतार

सुबह से ही शिविर स्थल पर लोगों की लंबी कतारें लग गई थीं। आसपास के ग्राम रमसमा, बच्छरांव, सरबकोम्बो, करमा और अन्य ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता पहुंचे। शिविर का शुभारंभ सहायक अभियंता द्वारा विधिवत किया गया, जिसके बाद पंजीयन और बिल समाधान की प्रक्रिया तेजी से शुरू हुई। पहले ही दिन 100 से अधिक उपभोक्ताओं ने पंजीयन कर योजना का लाभ उठाया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि लोगों को इस योजना का लंबे समय से इंतजार था।

अब मिल रही राहत

ग्रामीण क्षेत्रों में कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल वर्षों से बकाया थे। लगातार बढ़ते सरचार्ज और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे भुगतान नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में यह समाधान शिविर उनके लिए किसी राहत शिविर से कम नहीं है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि अब वे पहली बार अपने पुराने बिलों का निपटारा करने के लिए आगे आए हैं। बीपीएल उपभोक्ताओं के लिए विशेष राहत। मूल बकाया राशि में 75% तक की छूट।

घरघोड़ा कॉलेज के विद्यार्थियों ने देखी कोयला खदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरघोड़ा

शासकीय महाविद्यालय घरघोड़ा के प्राचार्य डॉ. पीके अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन एवं भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष देवांगन के सफल नेतृत्व में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गारे पेलमा तमनार स्थित सेक्टर 3 कोल माइंस का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सम्पन्न किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कोयला खनन की आधुनिक प्रक्रियाओं, कोयले के परिवहन तथा उसके विविध उपयोगों से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था। इस भ्रमण को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. वाईके चंद्रा एवं प्रयोगशाला तकनीशियन भावन्ता का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। प्रातः 8 बजे कॉलेज परिसर से विद्यार्थियों को बसों के माध्यम से भ्रमण स्थल के लिए प्रस्थान कराया गया। निर्धारित समय पर भ्रमण स्थल पहुँचने के उपरांत सर्वप्रथम विद्यार्थियों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए गए। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट एवं सुरक्षा पोशाक उपलब्ध कराए गए। कैंटीन में नाश्ते के उपरांत विद्यार्थियों को विशेष बस के माध्यम से खदान क्षेत्र का अवलोकन कराया गया, जहाँ एक निर्धारित व्यू पॉइंट से संपूर्ण ओपन कोल ब्लॉक का निरीक्षण किया गया।

बालिकाओं के लिए कानूनी अधिकारों एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

वन स्टॉप सेंटर: एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिला कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार व जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा के मार्गदर्शन में लाइवलीहुड कॉलेज में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब), द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं के लिए कानूनी अधिकारों, स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्राओं के समक्ष महिला संरक्षण अधिकारी द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 की जानकारी देते हुए महिलाओं एवं बालिकाओ के विरूद्ध हुए हिंसा के प्रकार-शारीरिक हिंसा, लैंगिक हिंसा, मौखिक एवं भवनात्मक हिंसा, आर्थिक हिंसा, के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक ने भारत सरकार द्वारा संचालित ष्बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य बालिकाओं के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना, उनके संरक्षण एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करना बताया। साथ ही महिला बाल विकास के विभिन्न योजनाओं जैसे-बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वदंना योजना, महतारी वदंन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, बाल विवाह, बाल श्रम, मासिक धर्म एवं स्वच्छता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

केन्द्र प्रशासक द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर के भूमिका के बारे में बताते हुए हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे कई तरह की सहायता उपलब्ध कराई जाती है जैसे चिकित्सा सहायता, अस्थायी आश्रय, कानूनी सहायता पुलिस सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, आपातकालीन सहायता। इसके पश्चात रंगोली एवं क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं समस्त प्रतिभागियों को सेनेटरी पैड एवं पैम्पलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कुल 55 छात्राएं प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित रही।

आधुनिक तकनीक से मछली पालन अपनाकर जनक ने पाई सफलता

जशपुर। परंपरागत धान की खेती से आगे बढ़ते हुए ग्राम भीतघरा, बगीचा विकास खंड के किसान जनक यादव ने मत्स्य पालन अपनाकर सफलता की नई मिसाल कायम की है। 23 से 25 मार्च 2026 कृषि महाविद्यालय, कुनकुरी जशपुर किसान श्री जनक यादव ने बताया कि धान की परंपरागत खेती को छोड़कर चुना नया रास्ता प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर अपने खेत में तालाब का निर्माण कराया और पांडलाइनर तकनीकी अपनाकर उत्पादन किया दुगुना किसान जनक यादव विगत तीन चार वर्षों से मछली पालन करते हैं। किसान ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत उन्हें तालाब निर्माण करने के लिए अनुदान की राशि 4 लाख 20 हजार मिला इसके साथ ही मत्स्य पालन के लिए मत्स्य बीज,जाल और आईस बाक्स भी दिया गया ।

उन्होंने कहा कि सबसे ध्यान देने वाली बात यह है कि मार्च माह में मत्स्य बीज संग्रहित करना होगा मत्स्य बीज तैयार करने का सबसे अच्छा माह मार्च , अक्टूबर और नवंबर में इसमें आसानी से मत्स्य बीज तैयार कर सकते हैं। किसानों को नई तकनीक अपनाकर मत्स्य पालन करने का आग्रह किया।

500 करोड़ के क्लब में शामिल होने बढ़ रही 'धुरंधरः द रिवेंज'

मुंबई। निर्देशक आदित्य धर की हाई-स्टेक्स जियोपॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर 'धुरंधरः द रिवेंज' ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने अपने शुरुआती दो दिनों में ही वह करिश्मा कर दिखाया है जो बड़े-बड़े ब्लॉकबस्टर्स के लिए हफ्तों का काम होता है। फिल्म ने महज दो दिनों में घरेलू बाजार में 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली है। ट्रेड वेबसाइट के मुताबिक, फ़िल्म ने शुक्रवार को लगभग 80.72 करोड़ (नेट) की कमाई की, जिससे भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन (बुधवार के पेड प्रीव्यूज़ को मिलाकर) 226.27 करोड़ (नेट) तक पहुंच गया है। अब जब फ़िल्म कमाई वाले ईद वीकेंड की ओर बढ़ रही है, तो उम्मीद है कि इसकी रफ़्तार और तेज़ होगी।

लाइफ Style

उल्का

'केरला स्टोरी-2' समाज का आईना

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'केरला स्टोरी-2' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है।

अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी को फिल्म 'केरल स्टोरी 2' रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीज़ों ने उनकी आंखें खोल दी हैं।

हॉलीवुड मसाला

न्यूयॉर्क सिटी में हुईं स्पॉट

न्यूयॉर्क। पॉप स्टार और एक्ट्रेस डेमी लोवाटो ने हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट हुईं, जहां उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान अपने शानदार अंदाज में सबका ध्यान खींच लिया। अपने निजी जीवन में ईटिंग डिसऑर्डर जैसी गंभीर समस्या पर खुलकर बात करने के बाद डेमी इस इवेंट में आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। इवेंट से एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस खास मौके पर डेमी लोवाटो ब्लैक लेदर आउटफिट पहने नजर आईं।

रेड कार्पेट पर छाया डीमी का ग्लैमरस अंदाज...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस डीमी मूर हाल ही में टेक्सास के ऑस्टिन में आयोजित प्रतिष्ठित फिल्म और म्यूजिक फेस्टिवल साउथ बाय साउथवेस्टके रेड कार्पेट पर नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश अंदाज और बेहद फिट फिगर से सबका ध्यान अपनी ओर खीचा। फेस्टिवल में डीमी मूर एक आकर्षक ब्लू ड्रेस में पहुंचीं, जो स्लीवलेस और डीप नेक डिजाइन की थी। यह रैप-स्टाइल ड्रेस उनके स्लिम फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने कमर पर एक चमकदार ऑरेंज सैश (बेल्ट) टाई की, जिसने उनके पूरे आउटफिट को एक अलग स्टाइल दिया और उनके स्लिम लुक को और ज्यादा उभार दिया। कैमरों के सामने पोज देते समय डीमी मूर की मुस्कान और कॉन्फिडेंस देखने लायक था। डीमी मूर इस खास मौके पर अपनी नई फिल्म के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं।

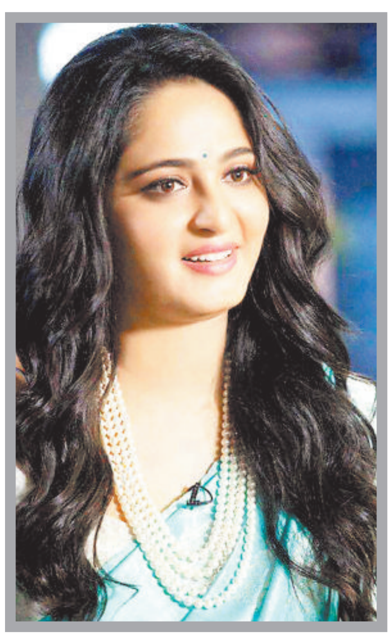

44 की उम्र में विवाह बंधन में बधेंगी

मुंबई। एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है। उनकी शादी की खबरों ने उनके फैंस के बीच काफी हलचल मचा दी है। अगर रिपोर्ट्स पर यकीन करें, तो अनुष्का 44 साल की उम्र में घर बसाने के लिए तैयार हैं। वैसे, यह पहली बार नहीं है जब उनकी शादी को लेकर अफवाहें सामने आई हैं। पहले भी उनकी शादी और लव लाइफ को लेकर काफी अटकलें लगाई गई थीं। 'बाहुबली' के बाद, एक्ट्रेस का नाम उनके को-स्टार प्रभास के साथ जोड़ा गया था। यहां तक कि यह भी अफवाह थी कि दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। हालांकि, बाद में प्रभास और अनुष्का दोनों ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और साफ किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। अगर अनुष्का की शादी की खबर सुनकर आपको लगा कि उनके होने वाले पति फिल्म इंडस्ट्री से हैं।

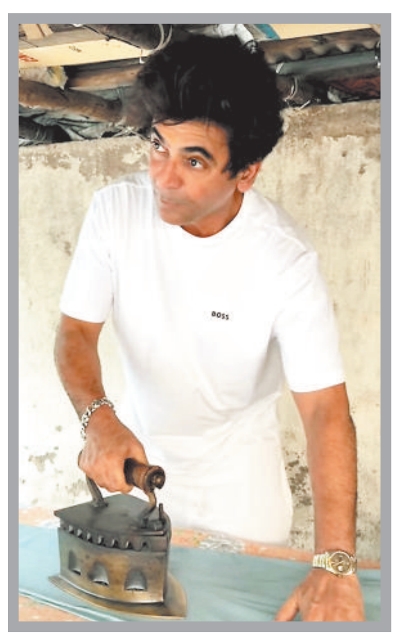

सड़क किनारे इस्तरी करते दिखे सुनील

मुंबई। अभिनेता और कमीडियन सुनील ग्रोवर हर बार अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर देते हैं। अपने किरदार में इस तरह डूब जाते हैं कि बड़े-बड़े स्टार भी उन्हें देखकर चौंक जाते हैं। उन्होंने अपना नया टैलेंट दर्शकों के सामने पेश किया। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे सड़क के किनारे एक छोटी दुकान पर पैंट पर प्रेस कर रहे हैं। वीडियो में वे बिल्कुल आम प्रेस वाले की तरह काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कपड़े पर थोड़ा पानी छिड़का, फिर पुरानी कोयले वाली प्रेस से सारी सिलवटें बिल्कुल साफ कर दीं। इसे देखकर लग रहा है कि जैसे वे रोजमर्रा की जिंदगी में इसे आराम से करते हों। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में सुनील ने पुरानी फिल्म का गाना 'कौन है, तेरा मुसाफिर' ऐड किया।

टीवी मसाला

बच्चों को प्यार और सही माहौल देना सबसे जरूरी : नकुल

मुंबई। टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहता ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में

एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसान अपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें। नकुल ने कहा कि आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है। नकुल ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा। हम नहीं जानते कि कल की दुनिया कैसी होगी, इसलिए हमें उन्हें हर चीज सिखाना जरूरी नहीं है, लेकिन हम उनकी जिंदगी में आत्मविश्वास, खुद पर भरोसा और बहुत सारा प्यार भर सकते हैं।

पीरियड ड्रामा में नजर आएंगी सई

मुंबई। एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी व बॉलीवुड एक्ट्रेस सई मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह इन दिनों प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में सई मांजरेकर ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नज़रिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव को लेकर सई ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है। उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज़ एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है।

मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर फैंस के बीच एक अलग ही पहचान रखते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन अधिकतर उनका बाल्ड लुक ही देखने को मिला है। रियल लाइफ में एक्टर हमेशा बाल्ड लुक में ही नजर आते हैं। ऐसे में अब एक्टर का बाल्ड लुक ही उनकी पहचान बन गया है। वहीं, हाल ही में अनुपम खेर ने खुलासा किया कि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट का कभी बार ऑफर हुआ, लेकिन उन्होंने बाल नहीं लगवाए। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि कई हेयर वीविंग कंपनियों और डॉक्टरों ने उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए पैसे ऑफर किए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं। बहुत से लोग पैसे देने को तैयार हैं कि बस बाल लगवा लो। लेकिन मैंने उन्हें ये मौका नहीं दिया। अनुपम का कहना है कि कितने भी पैसे की जरूरत हो, वह बाल नहीं लगवाएंगे क्योंकि ऐसा करने से वह खुद को बदल देंगे और वही अनुपम खेर नहीं रहेंगे। इस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब उनके बेटे सिकंदर छोटे थे, तो एक बार वह पढ़ रहे थे, जिसमें हेयर ऑयल का विज्ञापन था। सिकंदर ने सोचा पिताजी बाल लगवाने के बारे में सोच रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'पिताजी, सोचना भी मत।' अनुपम खेर का कहना हैं कि युवा उन्हें 'सर' या 'अंकल' न कहकर 'एके' या 'अनुपम जी' कहें। अनुपम को 'अंकल जी' कहलाना पसंद नहीं क्योंकि इससे वह एक खास उम्र की कैटेगरी में बंध जाते हैं। वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते हैं।

श्रुति ने शेयर की सुपर हेल्दी रेसिपी

मुंबई । अभिनेत्री श्रुति हासन अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वे अक्सर अपनी जिंदगी के मजेदार पल, फोटो के अलावा खास रेसिपी शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा ही किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इसमें आसान और टेस्टी स्नैक की रेसिपी बताई। अभिनेत्री ने लिखा, छुट्टी का दिन मतलब अपने स्क्रिप्ट को पढ़ते हुए थोड़ी-थोड़ी ब्रेक में सोशल मीडिया देखना। इसी दौरान एक दिलचस्प स्नैक रेसिपी दिखी, जिसे मैंने ट्राई किया और इसकी शौकीन हो गई हूं। अभिनेत्री ने बताया कि ये टेस्टी रेसिपी का नाम 'खजूर के साथ वेनिला ग्रीक योगर्ट स्नैक' है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले खजूर को अच्छे से धो लें और अगर चाहें तो हल्का गर्म पानी में भिगोकर नरम कर लें। फिर इन्हें काट लें या छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। एक बाउल में वेनिला ग्रीक योगर्ट डालें। इसमें खजूर के टुकड़े मिला दें। ऊपर से थोड़ा-सा एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल छिड़कें। यह स्नैक को क्रीमी और हेल्दी टच देता है। आखिर में फ्लेकी नमक (या सामान्य नमक) छिड़क दें।

लैंबॉर्गिनी से लेकर ऑडी और मर्सिडीज की मालकिन श्रद्धा

लग्जरी कारों से खचाखच भरा है श्रद्धा का गैराज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की सादगी उनके फैंस को खूब पसंद आती है। 'स्त्री' एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर सबसे पॉपुलर बॉलीवुड अभिनेत्रियों में से एक हैं। फैंस के साथ कमेंट सेक्शन में जाकर जिस तरह से वह बातचीत करती हैं, वह लोगों का दिल जीत लेता है। श्रद्धा कपूर भले ही देखने में कितनी भी सिंपल क्यों न लगें, लेकिन उनके शौक बिल्कुल भी सादे नहीं हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके गैराज में अलग-अलग कीमत की कई लग्जरी कारें खड़ी हैं। अगर आपने उनकी गाड़ियों का कलेक्शन और उनकी कीमत के बारे में जान लिया, तो आपका भी मुंह खुला का खुला रह जाएगा। श्रद्धा कपूर ने 2023 में अपनी सबसे महंगी कार 'लैंबॉर्गिनी हुराकान टेक्निका' खरीदी थी, जिसे वह अक्सर खुद ही ड्राइव करते हुए दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार के अलावा भी श्रद्धा के पास कई शानदार गाड़ियां हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है।

ज्वेलरी ब्रांड की श्रद्धा है को-फाउंडर

रिपोर्ट की मानें तो, श्रद्धा कपूर की कुल नेटवर्थ 140 करोड़ रुपए के आसपास है। वह सालाना 25 से 30 करोड़ रुपए तक कमाती हैं, जिसमें उनकी फिल्मों की फीस, विज्ञापन और बिजनेस इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं। वह अपनी एक फिल्म के लिए तकरीबन 8 से 17 करोड़ रुपए के बीच में चार्ज करती हैं। इसके अलावा, मुंबई के जुहू स्थित अपने फ्लैट्स से उन्हें हर महीने लगभग 6 लाख रुपए का किराया आता है। एक मशहूर ज्वेलरी ब्रांड में श्रद्धा कपूर की 21% हिस्सेदारी है और वह इसकी को-फाउंडर भी हैं। श्रद्धा ने एक ब्यूटी ब्रांड में भी निवेश किया है, जिसका वह फेस हैं। बात करें ब्रांड एंडोर्समेंट की, तो वह इसके लिए 1 से 2 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फीस चार्ज करती हैं।

श्रद्धा ने 2025 में खरीदी लेक्सस एलएम

लैंबॉर्गिनी हुराकान टेक्निका भले ही श्रद्धा की सबसे महंगी कार है, लेकिन इसके बाद उन्होंने साल 2025 में 'लेक्सस एलएम 350 एच' भी खरीदी थी। रिपोर्ट्स की मानें तो, जब श्रद्धा कपूर अपने जिम या किसी लोकल सैलून में जाती हैं, तो वह महंगी गाड़ियों के बजाय अपनी 'मारुति सुजुकी स्विफ्ट' का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं।

खबर संक्षेप

असम के संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए वित्त मंत्री

रायगढ़। असम राज्य के बोकाखाट विधानसभा के काजीरंगा मंडल में असम गण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, असम सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं बोकाखाट विधायक अतुल बोरा के साथ महत्वपूर्ण बैठक एवं संवाद कार्यक्रम में वित्त मंत्री विधायक ओपी चौधरी शामिल हुए। इस दौरान काजीरंगा सांसद कामाख्या दास तासा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीता तालुकदार, भाजपा जिला महामंत्री एवं चुनाव प्रबंधन समिति के चेयरमैन बेदब्रत बोरा, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं असम ओबीसी बोर्ड के उपाध्यक्ष देव प्रदीप बोरा, होजई जिला प्रभारी अनिमेष सैकिया, मंडल अध्यक्ष मृणाल दास, जिला परिषद चेयरमैन श्रीमती पूर्णिमा दास, श्रीमती निजु लोइंग चेयरमैन, भाजपा जिला उपाध्यक्षद्ध सहित गणमान्य जनों की उपस्थिति से मार्गदर्शन मिला।

चंद्रपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद

चंद्रपुर। चंद्रपुर में ईद का पावन पर्व मुस्लिम समाज द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। 30 दिनों तक रोज़ा रखने के बाद जैसे ही ईद का चांद नजर आया, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में ईद को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही ईदगाह और मस्जिदों में नमाज़ अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज़ के बाद मुस्लिम भाई एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते नजर आए। सेवइयों की मिठास और बच्चों को मिलने वाली ईदी ने पूरे मुस्लिम मोहल्लों में रौनक बढ़ा दी। सदर जामा मस्जिद चंद्रपुर के जनाब हसीन मोहम्मद ने बताया कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारा और गिले शिकवे भुलाकर साथ रहने का संदेश देता है। शाम के समय मुस्लिम समाज द्वारा भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुस्लिम समाज के साथ साथ नगर के गणमान्य नागरिक एवं अन्य समुदायों के लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम में रउफ खान, मो. आलमगीर, मो. जहांगीर का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा होशियार मोहम्मद, मो नफीस, रईस, मो. इमरान, मुबारक खान, नवरिन खान, मो. अबरार, फिरोज खान, परवेज खान, शब्बीर हुसैन, अब्बास हुसैन, मो. अशहब, शाबान खान, मस्तान खान, ताज हसन, दिलावर हुसैन, मो. जावेद, अरमान खान, मो. अल्ताब, मुश्फिक खान, नीलोफर खान, सूरज, तौफीक, मो. एजाज, इमरान, हामिद खान, गुलाम हाशमी सहित मुस्लिम समाज के सभी लोगों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।ईद के इस पावन अवसर पर चंद्रपुर में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली।
गले मिले, अमन चैन की मांगी दुआ चंद्रपुर में रमजान ईद का पर्व हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया।

सब्जी और नर्सरी प्रबंधन 12 दिवसीय प्रशिक्षण

सारंगढ़। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सारंगढ़ द्वारा आयोजित सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह ग्राम पंचायत छिंद में संपन्न हुआ। यह 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 22 मार्च तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसमें ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान किया गया। समापन समारोह के अवसर पर ग्राम पंचायत छिंद के सरपंच नरेश रात्रे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करते हैं तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

सुबह से देर रात तक माता दर्शन के लिए लगी रहती है श्रद्धालुओं की भीड़

बरमकेला के मुहाने पर पांच दशक पूर्व विराजित मां दुर्गा बनी हुई हैं क्षेत्र की रक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरमकेला

बरमकेला नगर के प्रवेश स्थल पर विराजमान माँ दुर्गा का मंदिर आज पूरे अंचल के लिए रक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुका है। लगभग 50 वर्षों से अधिक समय से माँ दुर्गा बरमकेला वासियों की रक्षा करती आ रही हैं, और यही कारण है कि इस मंदिर के प्रति लोगों की आस्था लगातार बढ़ती जा रही है।

नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिल रहा है। सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ माता के दर्शन के लिए उमड़ रही है। दूर दूर से आए भक्त माता के दरबार में पहुंचकर अपनी मनोकामनाएँ अर्पित कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान यहाँ विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस दौरान माता की अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है, जो श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ कलश स्थापना ज्योत जलाना करते हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। मंदिर के इतिहास पर नजर डालें तो इसका निर्माण 28 जून 1973 आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, संवत 2030 को हुआ था। उस समय बरमकेला के कई अधिकारियों एवं समाजसेवियों ने मिलकर इस मंदिर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रारंभ में यहाँ सीमेंट की मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसके बाद कुछ वर्षों पश्चात लेंध्रा निवासी जयप्रकाश अग्रवाल द्वारा संगमरमर की भव्य मूर्ति स्थापित कराई गई। निर्माण कार्य में राइस मिल के पाठक साहब, थाना प्रभारी अग्निहोत्री सिंचाई विभाग के एसडीओ, वन विभाग के डॉ. केआर साहू सहित कई अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा, जिन्हें आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है।

इतिहास व विशेष योगदान

- निर्माण तिथि 28 जून 1973 गुरुवार
- तिथि आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, संवत 2030
- प्रारंभिक मूर्ति सीमेंट की स्थापित की गई, बाद में लेंध्रा निवासी जयप्रकाश अग्रवाल द्वारा संगमरमर की मूर्ति स्थापित, विशेष योगदान राइस मिल के श्री पाठक, थाना प्रभारी श्री अग्निहोत्री, सिंचाई विभाग के एसडीओ, वन विभाग के डॉ. केआर साहू अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी

किवंदति के 50 बछर

मंदिर निर्माण के पीछे एक विशेष मान्यता भी प्रचलित है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले बरमकेला और आसपास के क्षेत्रों में अनहोनी एवं अप्राकृतिक घटनाएँ अक्सर घटित होती थीं। इनसे मुक्ति पाने के लिए घाटी के नीचे माँ दुर्गा मंदिर का निर्माण कराया गया। मंदिर स्थापना के बाद से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित हुआ, जिसे लोग माँ की कृपा मानते हैं। समय के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई और मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैलने लगी। ग्राम चाँटीपाली के लोगों द्वारा एक समिति का गठन किया गया, जिसे वर्ष 2013-14 में ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया। इस ट्रस्ट द्वारा मंदिर के विकास, विस्तार और व्यवस्थाओं का निरंतर संचालन किया जा रहा है। आज मंदिर परिसर में केवल माँ दुर्गा मंदिर ही नहीं, बल्कि बजरंगबली मंदिर, काली माता मंदिर, भैरव मंदिर, ज्योतघर, भोगशाला, पार्किंग एवं शुद्ध पेयजल व्यवस्था जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मध्यप्रदेश, राजस्थान से भी आते हैं श्रद्धालु

माँ दुर्गा के इस धाम में केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के श्रद्धालुओं की भी विशेष आस्था देखने को मिलती है। नवरात्रि के समय इन राज्यों से बड़ी संख्या में भक्त यहाँ पहुंचते हैं और माता के दरबार में ज्योत जलाकर अपनी मनोकामनाएँ व्यक्त करते हैं। मंदिर परिसर में स्थित काली माता और भैरव मंदिर के निर्माण के पीछे भी एक विशेष कथा प्रचलित है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले घाटी क्षेत्र में आए दिन सड़क दुर्घटनाएँ होती थीं, विशेषकर भारी वाहनों का पलटना आम बात थी। लेकिन मंदिर निर्माण के बाद इन घटनाओं में काफी कमी आई है, जिसे लोग माँ दुर्गा की कृपा मानते हैं। आज यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक बन चुका है, जहाँ हर वर्ग के लोग अपनी श्रद्धा के साथ माता के दरबार में उपस्थित होते हैं। मंदिर सचिव मकरो साहू ने बताया कि मां दुर्गा लगभग 50 वर्षों से अधिक समय से बरमकेला वासियों की रक्षा कवच बनी हुई हैं। यहाँ दूर दूर से श्रद्धालु माता का आशीर्वाद लेने आते हैं। राजस्थान और मध्यप्रदेश के लोग भी माता को बहुत मानते हैं और नवरात्रि के समय ज्योत जलवाते हैं।

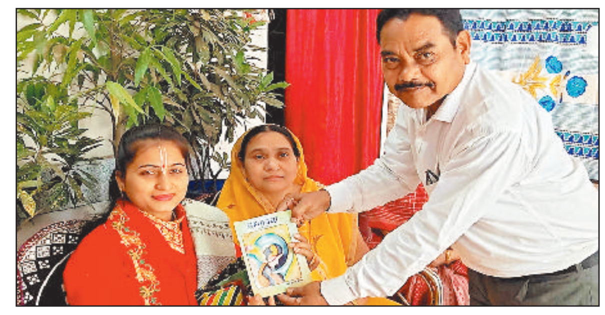

हर समस्या का समाधान है रामचरित मानस में : मंजू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

रामचरित मानस में जीवन की हर समस्या का समाधान है। इसकी चौपाइयों का नियमित पाठ और समझ कर उन्हें जीवन में उतरने से कष्ट दूर होते हैं। इसमें निहित आदर्श धर्म और नैतिकता के मार्ग के अनुसार हर संकट से मुक्ति पाई जा सकती है। यह विचार सरिया में आयोजित अखंड नवधा रामायण आयोजन पर वृंदावन धाम से पधारी कथा वाचक देवी मंजू कल्याणी ने एक चर्चा के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि जीवन को सुखी बनाने के लिए लोगों को समर्पण, नैतिकता और संगत का सहारा लेना पड़ेगा। भगवान पर भरोसा रखते हुए कर्म करने से मानसिक शांति मिलती है। तथा राम के चरित्र से सीख कर धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सज्जनों की संगति से जीवन के संकट दूर होते हैं। सरिया संवाददाता वीरेंद्र सोनी को एक विशेष भेंटवार्ता में देवी मंजू कल्याणी ने कहा कि रामचरित मानस के हर चौपाई में समस्या का समाधान है। जैसे संकट नाश के लिए दीन दयाल विरिहु संभारी इसी तरह विपत्ति नाश के लिए राजीव नयन धरे धनु सायक इसी तरह पारिवारिक सुख शांति के लिए सब नर करहि परस्पर प्रीति। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथो का पाठ करने से जीवन में सकारात्मक भाव उत्पन्न होता है। जिंदगी की ऐसी कोई कामना नहीं जो रामचरितमानस के पाठ से पूरी नहीं हो सकता। सरिया में आयोजित अखंड नवधा रामायण कथा का विराम 27 मार्च को होगा और 28 मार्च को महा भंडारा का आयोजन किया गया है। इस मौके पर पूरे 9 दिन कथा वाचक देवी मंजू कल्याणी जी की कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा का लाभ ले रहे हैं। इसके पहले नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, नवधा रामायण समिति के अध्यक्ष शिवकुमार बैरागी ने देवी मंजू कल्याणी को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया। तथा नवधा रामायण आयोजन समिति के अध्यक्ष, कवि, साहित्यकार शिवकुमार बैरागी ने अपनी किताब बैठकर सम्मान किया।

पाइप लीकेज से सड़क बनी दलदल काशीडीह के ग्रामीण परेशान

चंद्रपुर। चंद्रपुर तहसील से लगे ग्राम पंचायत काशीडीह में इन दिनों एक व्यक्ति की लापरवाही के चलते ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार गांव के एक व्यक्ति द्वारा नदी से पाइप लाइन बिछाकर अपने निजी खेतों में सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जा रहा है, लेकिन पाइप लाइन में जगह जगह लीकेज होने के कारण मुख्य मार्ग पर पानी लगातार बह रहा है।

बताया जा रहा है कि उक्त पाइप का एक हिस्सा ग्राम के मेन रोड स्थित पानी टंकी के पास से गुजरता है, जहां लंबे समय से पाइप से पानी का रिसाव हो रहा है। इस कारण सड़क पर कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं, जिससे पूरा मार्ग दलदल जैसा हो गया है। स्थिति यह है कि रोजाना इस रास्ते से गुजरने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और स्कूली बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग फिसलते फिसलते बच रहे हैं, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या पिछले कई दिनों से बनी हुई है और उन्होंने संबंधित व्यक्ति को कई बार पाइप लीकेज सुधारने के लिए समझाइश भी दी, लेकिन उसके द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति मनमानी करते हुए अपनी सुविधा के लिए पाइप का उपयोग कर रहा है, जबकि गांव के आम रास्ते की स्थिति खराब होती जा रही है। इस समस्या को लेकर गांव में नाराजगी बढ़ती जा रही है और ग्रामीण अब सामूहिक रूप से इसके समाधान की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही पाइप की मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई घटना घट सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित की होगी। ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन से हस्तक्षेप कर तत्काल पाइप लीकेज ठीक कराने और मुख्य मार्ग को सुचारू बनाने की मांग की है।

> संबंधित व्यक्ति को पूर्व में भी पाइप लीकेज सुधारने के लिए सूचना दी गई थी, लेकिन उसने इस पर ध्यान नहीं दिया। एक बार पुनः बोलता हु फिलहाल मुलाकात नहीं हो पाई है। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो पंचायत स्तर पर आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।
> **कौशल चावला, सरपंच काशीडीह**

कर्मचारी अनुपस्थित, दो को किया गया सेवा से बर्खास्त

- निगम आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

रायगढ़। नगर निगम में कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय द्वारा वाहन विभाग का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दो ड्राइवर बुधराम एवं दुर्गा शंकर को बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कमिश्नर ने उन्हें तत्काल सेवा से मुक्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वाहन विभाग की उपस्थिति पंजी, वाहनों की स्थिति और संचालन व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित पाए गए दोनों ड्राइवरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल सेवा से पृथक करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने कहा की निगम का वाहन विभाग महत्वपूर्ण विभागों में से एक है। निगम क्षेत्र अंतर्गत संपूर्ण सफाई, कचरा का उठाव व्यवस्था से लेकर मरम्मत कार्य और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं से संबंधित कार्य किए जाते हैं। इसमें ड्राइवर एवं अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्ट और रोस्टर अनुसार लगाई जाती है। ऐसे में कर्मचारियों द्वारा लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित रहना लापरवाही की श्रेणी में आती है। उन्होंने निगम क्षेत्र अंतर्गत निवासरत नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने सभी कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ उनके दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से हो यह सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान वाहन विभाग के सुपरवाइजर द्वारा अन्य कुछ कर्मचारियों के अनुपस्थित रहने की जानकारी दी। इसपर कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने ऐसे कर्मचारियों को चेतावनी देने एवं अंतिम मौका देते हुए कार्य कराने की बात कही। इसके बाद भी कर्मचारियों द्वारा बिना ठोस कारण के अनुपस्थित रहने पर उन्हें भी सेवा से बर्खास्त करने संबंधित कारवाई करने के निर्देश दिए।

जनगणना कार्यों का किया अवलोकन

कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने जनगणना कार्य का भी अवलोकन किया। वर्तमान में जनगणना कार्य अंतर्गत सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों की ड्यूटी वार्ड वाइज ब्लॉक काटने के लिए लगाई गई है। नगर निगम अंतर्गत 48 प्लस बाह्यवृद्धि 3 वर्ड, जिसमें कलमी, बेंद्राचूआ और बड़े अतर मुड़ा शामिल है। वर्तमान में 48, 3 वार्ड कुल 51 वार्ड में लगभग 2 लाख 50 हजार जनसंख्या निवासरत हैं। इसमें प्रत्येक वार्ड में 700 से 800 जनसंख्या अंतर्गत वार्ड के एक ब्लॉक निर्धारित किया जाएगा। इसके लिए सभी वार्ड प्रभारी को उनके संबंधित वार्डों के ब्लॉक काटने के कार्य दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने गूगल मैप के माध्यम से ब्लॉक की स्थिति एवं संख्या का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी कर रहे सभी वार्ड प्रभारी को उनके वार्डो की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए गंभीरता से ब्लॉक काटने संबंधित कार्य करने के निर्देश दिए।

धर्मांतरण के लिए काल छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयकः अरुणधर

रायगढ़। छत्तीसगढ़ की विधान सभा में पास हुए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर जिला भाजपा अध्यक्ष अरूणधर दीवान ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा धर्मांतरण कराने वालों के लिए काल साबित होगा। साय सरकार ने दमदारी के साथ छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पास किया। इस सराहनीय निर्णय से प्रदेश में चल रहे अवैध धर्मांतरण पर रोक लग सकेगी। इस विधेयक के माध्यम से अवैध धर्मांतरण पर सीधे तौर पर रोक लगाई जा सकेगी। जिससे प्रदेश की। भोली भाली जनता को जबरन धर्म परिवर्तन से बचाया जा सकेगा। दीवान ने कहा इस विधेयक के पास होने से सामाजिक समरसता का वातावरण स्थापित होगा। यह विधेयक सामाजिक समरसता को मजबूत करने में मदद करेगा जिससे समाज में शांति और सौहार्द स्थापित करने में मदद मिलेगी। जिला भाजपा अध्यक्ष ने इस विधेयक के संबंध में जानकारी देते हुए कहा इस विधेयक के जरिए धर्मांतरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। विधेयक में धर्मांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रावधान किए गए हैं, जिससे लोगों को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता मिलेगी। इस विधेयक के पास होने के साथ ही पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा की जा सकेगी।

चंद्रहासिनी देवी मंदिर ट्रस्ट में 25 को चिकित्सा शिविर

चंद्रपुर। समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए गोपाल महाप्रभु मंदिर एवं चंद्रहासिनी देवी मंदिर ट्रस्ट, चंद्रपुर द्वारा 25 मार्च 2026 बुधवार को एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित होगा। यह स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चंद्रहासिनी मंदिर धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहेंगे और मरीजों को निःशुल्क जांच व परामर्श प्रदान करेंगे। शिविर में मेडिकल, सर्जरी, हड्डी रोग, हृदय रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, आंख, नाक-कान-गला, किडनी, दंत, रेडियोलॉजी सहित कई विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। साथ ही फिजियोथेरेपी और आहार संबंधी सलाह भी दी जाएगी। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त करें। अग्रिम पंजीयन के लिए संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं, जिससे मरीज पहले से अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

घरघोड़ा तमनार में चला वृहद अभियान ड्रोन से अवैध मादक खेती पर कड़ी नजर

- संयुक्त टीम की कार्रवाई, गांव-गांव पहुंचकर किया सघन निरीक्षण

रायगढ़। जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग शुरू कर दिया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व घरघोड़ा दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं सीएसपी मयंक मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र में वृहद ड्रोन सर्वे अभियान संचालित किया गया।

इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और कृषि विभाग की टीमों ने समन्वित रूप से काम करते हुए संदिग्ध क्षेत्रों की पहचान की और ड्रोन के माध्यम से खेतों की बारीकी से निगरानी की। इस आधुनिक तकनीक के जरिए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक भी प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ड्रोन सर्वे के साथ साथ राजस्व विभाग के पटवारियों और कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने संबंधित गांवों में मौके पर पहुंचकर खेतों में उतरकर सघन निरीक्षण किया। इस दौरान घरघोड़ा तहसील के बैहामुडा, भेंगारी, पाकादरहा, पानीखेत तथा तमनार तहसील के आमापाली, राबो, गढ़गांव एवं हराडीह में व्यापक स्तर पर जांच पड़ताल की गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने किसानों को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की खेती कानूनन अपराध है और इसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वैकल्पिक वैध फसलों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। आने वाले समय में भी ड्रोन सर्वे के साथ सघन जांच और निगरानी की कार्रवाई तेज की जाएगी, ताकि किसी भी स्थिति में इस तरह की अवैध गतिविधियों को पनपने का अवसर न मिले। प्रशासन की इस पहल को क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पंचायत व बूथ कमेटी गठन की बैठक में शामिल हुए पीसीसी चीफ बैज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का रायगढ़ कांग्रेस भवन आगमन हुआ। श्री बैज का लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर पंचायत व बूथ कमेटी संगठनात्मक प्रदेश स्तरीय दौरा कार्यक्रम के तहत रायगढ़ कांग्रेस भवन आगमन हुआ, पी सी सी चीफ के जिला कांग्रेस भवन पहुँचते ही जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारीगण व कार्यकर्त्तागणों ने स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस भवन में आयोजित पंचायत व बूथ कमेटी की अहम बैठक आरंभ हुई जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के समक्ष जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष (शहर) शाखा यादव के नेतृत्व में हुजन समाज पार्टी के नेता बनवारी लाल डहरे ने कांग्रेस प्रवेश किया, इसके बाद कांग्रेस कमेटी के ऊर्जावान पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं ने पी सी सी चीफ दीपक बैज का स्वागत उद्बोधन के साथ पंचायत व बूथ कमेटी गठन पर संगठनात्मक सकारात्मक चर्चा परिचर्चा पर अपना सुझाव प्रस्तुत किया। उद्बोधन के क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण अध्यक्ष द्वय शाखा यादव व नगेन्द्र नेगी, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल शुक्ला व अन्य पदाधिकारियों ने भी मजबूत पंचायत व बूथ कमेटी बनाने सक्रिय टीम गठन पर अपना सुझाव प्रस्तुत किया।